**“नेताजी का चश्मा” पाठ के अभ्यास प्रश्न-उत्तर, द्वितीय भाग।**

**रचना और अभिव्यक्ति**

**प्रश्न 6.**  
निम्नलिखित वाक्य पात्रों की कौन-सी विशेषता की ओर संकेत करते हैं?  
**(क)** हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को निहारते।  
**(ख)** पानवाला उदास हो गया। उसने पीछे मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका और सिर झुकाकर अपनी धोती के सिरे से आँखें पोंछता हुआ बोला-“साहब! कैप्टन  
मर गया।”  
**(ग)** कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा लगा देता था।  
**उत्तर**

1. हालदार साहब के मन में अवश्य ही देशभक्तों के प्रति सम्मान की भावना थी जो सुभाष की मूर्ति को देखकर प्रबल हो उठती थी। देश के लिए सुभाष के किए कार्यों को यादकर उनके प्रति श्रद्धा उमड़ पड़ती थी। इस कारण हालदार साहब चौराहे पर रुककर नेताजी की मूर्ति को निहारते रहते थे।
2. जो पानवाला कभी कैप्टन का उपहास करता था, यहाँ तक कि अधिक देर तक कैप्टन के बारे में बातें करना उसे अच्छा नहीं लगता था वही पानवाला कैप्टन की मौत पर भावुक हो उठा। उसकी आँखें नम हो गईं, गला भर आया। आँखें पोंछते हुए उदास मन से बताया कि कैप्टन मर गया। इस भावना से स्पष्ट है। कि पानवाला जितना खुशमिज़ाज़ था उतना ही सहृदय भी था।
3. कैप्टन के हृदय में देश-प्रेम और देशभक्ति की प्रगाढ़ भावना भरी थी। उसमें देशभक्तों के प्रति आस्था थी; उनके प्रति सम्मान था। कैप्टन मूर्तिकार की भूल को चश्मा लगाकर सुधार रहा था। उसे भी बिना चश्मे की सुभाष की मूर्ति अच्छी नहीं लगती थी। अतः कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा लगा देता था।

**प्रश्न 7.**  
जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात् देखा नहीं था तब तक उनके मानस पटल पर उसका कौन-सा चित्र रहा होगा, अपनी कल्पना से लिखिए।  
**उत्तर**  
हालदार साहब कैप्टन को देखने से पहले समझ रहे होंगे कि कैप्टन प्रभावशाली व्यक्तित्व का स्वामी होगा जिसमें सुभाष की आजाद-हिंद-फौज के सिपाही जैसी अनुशासित छवि होगी। शारीरिक रूप से बलिष्ट होगा और उसके प्रति लोगों में विशेष सम्मान होगा। समाज में अवश्य ही उसकी अलग पहचान होगी जो सबके द्वारा सराहनीय होगी। इस तरह हालदार साहब के मानस पटल पर ऐसे ही सैनिक व्यक्तित्व की छवि विराजमान रही होगी।

**प्रश्न 8.**  
कस्बों, शहरों, महानगरों के चौराहों पर किसी-न-किसी क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का प्रचलन-सा हो गया है-  
**(क)** इस तरह की मूर्ति लगाने के क्या उद्देश्य हो सकते हैं?  
**(ख)** आप अपने इलाके के चौराहे पर किस व्यक्ति की मूर्ति स्थापित करवाना चाहेंगे |.. और क्यों? … .  
**(ग)** उस मूर्ति के प्रति आपके एवं दूसरे लोगों के क्या उत्तरदायित्व होने चाहिए?  
**उत्तर**  
**(क)** प्रमुख स्थानों पर विशिष्ट, अनुकरणीय महापुरुष की मूर्ति लगाने की परंपरा रही है। यह परंपरा स्थान के महत्त्व और सुंदरता तक सीमित नहीं है, अपितु उसके निश्चित उद्देश्य रहे हैं

1. मूर्ति हमें प्रेरणा देती है कि उस महापुरुष के बारे में जानें और उनसे अनुप्रेरित हों।
2. उस महान पुरुषं से शिक्षा लें और उस संस्कृति को बनाए रखें।
3. उस महापुरुष के द्वारा समाज, संस्कृति और देश के प्रति किए योगदानों की लोगों के मध्ये चर्चा करें। भावी पीढ़ी को जानकारी मिलती रहे और वे गौरवान्वित हों।

**(ख)** हम अपने इलाके में आचार्य चाणक्य की प्रतिमा लगवाना चाहेंगे जो सर्वथा संपूर्ण राष्ट्रीय-चेतना के आधार थे। उनकी योजनाएँ ऐसी थीं कि प्रकृति भी चाहकर असफल नहीं कर सकी । उनका ऐसा चिंतन था जिससे दूसरे दाँतों तले अँगुली दबाने के लिए विवश थे। साहस के ऐसे धनी थे कि शत्रु समुदाय भी विरोध करने लिए तैयार नहीं होता था। उनके संकल्प की तुलना कोई नहीं कर सकता था। वे अभावों में भी संकल्प को पूरा करने में समर्थ थे। ऐसे आचार्य सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं।

**(ग)** उस मूर्ति के प्रति हमारा दायित्व यह होगा कि जिसे महापुरुष की मूर्ति है, उस महापुरुष के बारे में यथा समय लोगों को परिचित कराएँ । मूर्ति की स्थापना स्थल परे समय-समय पर विविध प्रकार के आयोजन करते रहें। लोग उस महापुरुष को राष्ट्रीय गौरव के रूप में जानें और उनका सम्मान करें। किसी भी स्थिति में उसका अपमान न होने दें और मूर्ति के सौंदर्य को भी बनाए रखें।

**प्रश्न 9.**  
सीमा पर तैनात फ़ौजी ही देशप्रेम का परिचय नहीं देते। हम सभी अपने दैनिक कार्यों में किसी-न-किसी रूप में देशप्रेम प्रकट करते हैं; जैसे-सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुँचाना, पर्यावरण संरक्षण आदि। अपने जीवन-जगत् से जुड़े ऐसे और कार्यों का उल्लेख कीजिए और उन पर अमल भी कीजिए।  
**उत्तर**  
हम सब निम्नलिखित कार्यों द्वारा देशप्रेम प्रकट कर सकते हैं बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम में सहयोग देना, जल स्रोत के आसपास गंदगी ने फैलाना, पूजा-अर्चना, यज्ञ-हवन आदि के उपरांत जली-अधजली सामग्री एवं राख को नदियों में न फेंकना, शवों को नदियों में प्रवाहित न करना, सार्वजनिक वस्तुओं का मिल-जुलकर उपयोग करना तथा उन्हें स्वच्छ रखना, उन्हें तोड़-फोड़ से बचाना, देश की एकता अखंडता पर आँच न आने देना, समाज एवं देश की प्रगति में योगदान देना, शहीदों तथा स्वाधीनता सेनानियों के प्रति आदर भाव रखना, लोगों के बीच समरसता फैलाना आदि ।

**प्रश्न 10.**  
निम्नलिखित पंक्तियों में स्थानीय बोली का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है, आप इन | पंक्तियों को मानक हिंदी में लिखिए-  
कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े, चौखट चाहिए, तो कैप्टन किदर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उदर दूसरा बिठा दिया।  
**उत्तर**  
मानो कोई ग्राहक आ गया। उसे चौड़ा फ्रेम चाहिए तो कैप्टन कहाँ से लाएगा? तो उसे मूर्तिवाला फ्रेम दे देता है और मूर्ति पर दूसरा फ्रेम लगा देता है।

**प्रश्न 11.**  
“भई खूब! क्या आइडिया है।” इस वाक्य को ध्यान में रखते हुए बताइए कि एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्दों के आने से क्या लाभ होते हैं?  
**उत्तर**  
जब दूसरी भाषाओं के प्रचलित शब्द अपनी भाषा में यथास्थान सहज रूप से आ जाते हैं तो भाषा दुरूहता से बच जाती हैं। भाव को समझने में सहजता होती है। दूसरी भाषाओं के सहज प्रयोग से भाषा में लचीलापन आ जाता है। इस प्रकार दूसरे शब्द भी भाषा में ऐसे समा जाते हैं कि उसी भाषा के प्रतीत होने लगते हैं।